विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री
भारत सरकार

संदेश

हिन्दी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी को अपनाया था। उसी समय से हर वर्ष 14 सितम्बर ***हिन्दी दिवस*** के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी दिवस हमारे लिए यह चिंतन करने का अवसर है कि हमने अपनी राजभाषा को कितना प्रोत्साहन दिया है और संविधान निर्माताओं के सुंदर स्वप्न को किस हद तक साकार किया है।

हिन्दी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो विभिन्न सांस्कृतिक विविधताओं के होते हुए भी पूरे राष्ट्र को एकसूत्र में जोड़कर रख सकती है। आज हिन्दी का महत्व राजभाषा, संपर्क भाषा और विश्व भाषा के रूप में बढ़ रहा है। केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में भी हिन्दी का प्रयोग पहले की तुलना में अब कई गुना बढ़ गया है। जहां तक सरकारी कामकाज में हिन्दी प्रयोग का संबंध है, हमें मन से यह दृढ़ निश्चय करना होगा कि हम इस दिशा में और अधिक प्रयास करेंगे।

हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर मैं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और इसके अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि हम सब गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा सरकारी कार्यालयों के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति करते हुए अपना पूरा सरकारी काम सरल हिन्दी में करेंगे और भारत के संविधान में राजभाषा हिन्दी को प्राप्त सम्मान को बनाए रखेंगे।

जय हिन्द, जय भारत ।

(आर. के. सिंह)

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2020